Title: Need to make statement by the Health Minister on the strike in All India Institute of Medical Sciences.

12.05 hrs.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में पिछले सात दिनों से हड़ताल है। कल दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बा वजूद कि 36 घन्टे में हड़ताल समाप्त हो जानी चाहिए, आज भी AIIMS में हड़ताल है। अध्यक्ष महोदय, बहुत गम्भीर मामला है। AIIMS में पिछले छः महीनों में जूनियर डाक्टर्स और स्वास्थ्य कर्मचारियों के बीच आठ घटनायें हुई हैं। लेकिन स्वास्थ्य मंत्री जी ने इस तरफ गम्भीरता से ध्यान नहीं दिया है। AIIMS में पूरे हिन्दुस्तान से लोग इलाज कराने के लिए आते हैं और लाखों मरीजों का इलाज होता है। सात-आठ हजार मरीज रोज OPD में देखे जाते हैं। इस हड़ताल के कारण असर यह हो रहा है कि हजारों लोग सड़कों पर लेटे हुए हैं और हजारों लोग परेशान हैं। कल दिल्ली का एक राजकुमार नाम का लड़का, जो AIIMS में भरती होने के लिए गया था, हड़ताल होने की वजह से पटरी पर लेटा रहा और उसने वहीं पर दम तोड़ दिया। अध्यक्ष महोदय, बहुत गम्भीर मामला है। भारत सरकार की जो व्यवस्था है और AIIMS का जो प्रशासनिक ताना-बाना है, वह बिलकुल भी गम्भीर नहीं है। निश्चित रूप से हड़ताल को समाप्त करने के लिए सरकार ने कोई गम्भीर प्रयास नहीं किया है। अध्यक्ष महोदय, हम जानना चाहते हैं कि ...

अध्यक्ष महोदय : आप कितनी बार " अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय" बोलेंगे। आप सब्जैक्ट पर बोलिए।

श्री रामजीलाल सुमन : आजकल आप कड़ा रुख लिए हुए हैं, इसलिए बार-बार "अध्यक्ष महोदय" कहना पड़ता है, ताकि आप उदार हो जायें।

अध्यक्ष महोदय, बहुत गम्भीर मामला है। स्वास्थ्य मंत्री जी ने इस हड़ताल के संबंध में क्या किया है, इस बारे में वे सदन में एक बयान देने का कट करें।

MR. SPEAKER: Shri C.N. Singh, you can also associate with Shri Ramji Lal Suman.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Thirty hon. Members have given notices and I have to call all the Members who have given notices.

...(*Interruptions*)

SHRI RAMESH CHENNITHALA (MAVELIKARA): This is a very serious issue. ...(*Interruptions*) The AIIMS is a prestigious organisation. Thousands of people are suffering. Government is sleeping on this issue. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Members have raised a serious issue. I am asking the Government if it has anything to say on this but you are not allowing the Government to reply.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please take your seats first. On the one hand, you are raising the matter and on the other hand, you are neither allowing the Government to respond to the same nor allowing the Chair to say something on this.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Is there any statement by the Minister on this?

...(*Interruptions*)

SHRI MADHAVRAO SCINDIA (GUNA):Let the Health Minister make a *suo motu* statement on this. ...(*Interruptions*)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, आप इस विाय पर सरकार को फटकार लगाइए। â€¦ (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : अध्यक्ष महोदय, रघुवंश प्रसाद जी से मेरी प्रार्थना है, जब तक AIIMS में हड़ताल है, तब तक हमें फटकारा न जाए, क्योंकि हम फिर किस हास्पिटल में इलाज कराने के लिए जायेंगे।

रामजी लाल सुमन जी ने AIIMS में हड़ताल के संबंध में जो विाय उटाया है, वह बहुत महत्वपूर्ण है। अगर हड़ताल हो जाए, तो स्वाभाविक रूप से मरीजों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है। â€¦ (व्यवधान) मैं इनकी भावनाओं को स्वास्थ्य मंत्री के पास पहुंचा दूगां और उनसे कहूंगा कि इस समस्या का कोई-न-कोई समाधान ढूंढने का प्रयास करें।

SHRI E. AHAMED (MANJERI): There is no Health & Family Welfare Minister. Where is the Minister? ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Ahamed, you are a senior Member. What is this?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This will not go on record.

*(Interruptions)**

Not recorded.